फीस बेलगाम, खर्चों के नाम पर लाखों वसूल रहे सीबीएसई स्कूल

शुल्क के नाम पर 30 हजार से लेकर सवा लाख रुपए तक वसूले जाते हैं अभिभावकों से

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 अप्रैल। सीबीएसई स्कूल केवल किताबों में कमीशनखोरी का भार ही पैरेंट्स पर नहीं डालते, बल्कि मनमानी फीस भी लेते है। वजह प्रदेश में फीस नियामक कमेटी का नहीं बनना है।

स्कूलों में पैरेंट्स से 1 हजार से लेकर 6 हजार रूपये तक मासिक फीस के अलावा तमाम तरह के शुल्क के नाम पर 30 हजार से लेकर सवा लाख रूपये तक वसूले जा रहे है।

40 साल से चुप है सरकार:- 1975 में निजी विद्यालयों के लिए अधिनियम बना था। सीबीएसई स्कूल 1962 में पूरी तरह अस्तित्व में आ गए थे, लेकिन उस समय सीबीएसई बोर्ड के निजी स्कूलों का अस्तित्व नहीं था, लेकिन 1990 के बाद सीबीएसई स्कूलों की संख्या बढ़ती गई।

लेकिन किसी भी सरकार ने फीस पर अंकुश नहीं लगाया। इससे स्कूल संचालकों के हौंसलें बढ़ते गए और हर साल तमाम तरह की फीसों में इजाफा होता गया।

तमिलनाडु, दिल्ली में है कमेटी

तमिलनाडु और दिल्ली सरकारों ने निजी सीबीएसई स्कूलों पर अंकुश लगाने के लिए बोर्ड बनाया है। वहां फीस नियामक कमेटी ये देखती है कि फीस ज्यादा न ली जाए, लेकिन हमारी सरकार को फीस निर्धारण के लिए कमेटी बनाने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। इससे पैरेंट्स मजबूरन स्कूली को मनमानी फीस देता आ रहा है।

बिल्डिंग फंड भी पैरेंट्स से वसूल रहे

स्कूलों एडमिशन फीस से लेकर प्रोसेसिंग फीस, रजिस्टेशन फीस, एलुमिनि फंड, एक्टिविटी, कम्प्यूटर फीस, बिल्डिंग फंड, कॉशन मनी, एनुअल तथा बस फीस के नाम पर 30 हजार से लकर डेढ़ लाख रूपए तक पैरेंट्स से लिए जा रहे है।

सीबीएसई के कानूनी खाके में ही खोट

सीबीएसई स्कूलों की धांधली और लूट में केवल प्राइवेट स्कूल ही शामिल है। धांधली की जड़ में सीबीएसई के कानूनी खाके में ही खोट है जिसके अनुसार निजी स्कूलों में एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू करना तो अनिवार्य है लेकिन पाठ्यपुस्तकों रूप से यह छूट सही भी है। सैद्धांतिक रूप से यह छूट सही भी है चूंकि एक ही पाठ्यक्रम को अलग अलग पुस्तकों से पढ़ाया जा सकता है बशर्ते कि स्कूल संचालकों की नियत में खोट न हो, लेकिन जब अधिकांश निजी स्कूलों का मकसद ही मुनाफा कमाना हो गया है। जिसके लिए सरकार ने भी अपनी मौन सहमति दे रखी है तो फिर निजी प्रकाशकों की पुस्तकें एनसीईआरटी जैसी उम्दा व सस्ती कैसे हो सकती है। प्रदेश सरकार यह कहकर बरी नहीं हो सकती है कि यह तो केन्द्र का मसला है प्रदेश सरकार की जबावदेही है कि वह धांधली में शामिल स्कूलों के अनापत्ति प्रमाण-पत्र खारिज करने के लिए एक समिति का गठन करें।

प्रधानमंत्री कॉलेज में काउंसलिंग सत्र का आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 अप्रैल। स्थानीय छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस) में सोमवार को मानसिक स्वास्थ्य एवं छात्र कल्याण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में करियर काउंसलिंग मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके भविष्य के करियर विकल्पों के प्रति जागरूक एवं मार्गदर्शित करना रहा।

इस मार्गदर्शन सत्र में विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा के अवसरों तथा कौशल विकास के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

डॉ. संजय सोनी ने छात्रों को उनकी रुचि, योग्यता एवं क्षमता के अनुरूप सही करियर चयन करने के लिए प्रेरित किया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य निर्धारित करने तथा निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

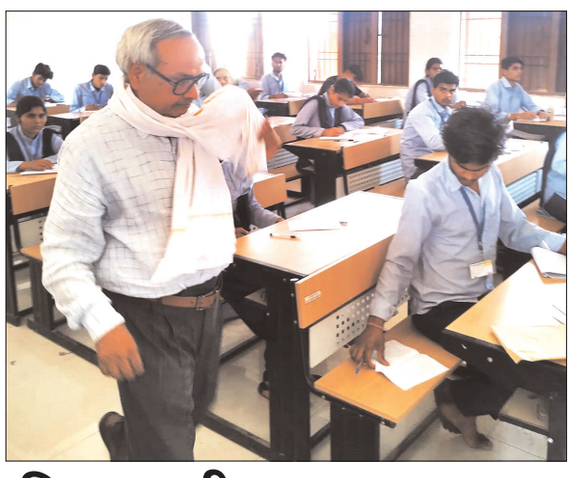

जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल नकल रोकने के लिए प्रयासरत

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 अप्रैल। आज दिनांक 16 अप्रैल को जिला स्तरीय उड़नदस्ता पन्ना जिले की महाविद्यालयों में चल रही विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं का औचक निरीक्षण किया।

उड़नदस्ता दल के संयोजक डॉ एस डी चतुर्वेदी , वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ जे.के. वर्मा एवं श्री सिद्धू सिंह सहायक प्राध्यापक संयुक्त रूप से उपस्थित रहे । सर्वप्रथम प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना में चल रही प्रथम पाली पूर्वाह्न 9 से 12 बजे की परीक्षा का निरीक्षण किया गया जिसमें कोई भी विद्यार्थी नकल करते हुए नहीं पाए गए एवं द्वितीय पाली अपराह्न 2 से 5 बजे की परीक्षा में शासकीय महाविद्यालय गुनौर व देवेंद्रनगर का औचक निरीक्षण उपरांत कोई भी विद्यार्थी नकल करते हुए नहीं पाया गया उपरोक्त महाविद्यालयों में औचक निरीक्षण के उपरांत नकल विहीन परीक्षा संचालित पाई गई।

पुलिस ने जंगल से तीन बकरी चोर आरोपियों को किया गया गिरफ्तार, 16 बकरियां बरामद

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 अप्रैल। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में थाना कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र में लगातार हो रही बकरी चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गई बकरा-बकरियाँ, नगदी एवं घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल सहित कुल ?1,94,000 रुपये का मशरूका जप्त किया है। एक आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। ज्ञात हो कि कोतवाली थाना क्षेत्र में विगत दिनों बकरी चोरी की लगातार घटनाएँ सामने आई थीं। दिनांक 03. अप्रैल को फरियादी कमलेश सोनकर निवासी हीरापुर टपरिया पन्ना ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात चोरों द्वारा पीछे की दीवार तोड़कर 09 नग बकरा-बकरियाँ चोरी कर ली गईं। इसी प्रकार दिनांक 09. अप्रैल को फरियादी रावसाहब सिंह निवासी विक्रमपुर ने घर के पीछे के कमरे का दरवाजा खोलकर 08 नग बकरियाँ चोरी होने की रिपोर्ट

दर्ज कराई। वहीं दिनांक 14 अप्रैल को फरियादी मुन्ना गौड़ निवासी जरुआपुर ने अपने घर एवं पड़ोसी के घर से 14 नग बकरा-बकरियाँ चोरी होने की सूचना दी गयी । एस पी पन्ना द्वारा टीआई कोतवाली रोहित मिश्रा के नेत्रत्व में टीम गठित की गठित टीम को गत 15 अप्रैल को

मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सकरिया क्षेत्र मे छापरटेक जंगल में कुछ लोगो की आवाजाही रहती है जिनके बकरियों की चोरी कर उनके खरीद-फरोख्त में शामिल होने की संभावना हैं। सूचना पर पुलिस टीम इलाके की घेराबंदी कर दबिश दी गई जहां मौके से आरोपी अदस खां, ऐशन खां एवं मोहित कुमार खटीक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने साथी इनायत खान के साथ मिलकर उक्त तीनों चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया।

आरोपियों ने कुल 31 नग बकरा-बकरियाँ चोरी करना बताया, जिनमें से कुछ जंगल में छिपाई गई थीं तथा कुछ आरोपी मोहित खटीक को बेची गई थीं।

पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से कुल 16 नग बकरा-बकरियाँ, ?14,000 नगद एवं घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटर साइकिल जप्त की गई। फरार आरोपी इनायत खान की तलाश जारी है।

जनगणना प्रशिक्षण में दूसरे दिन तकनीकी पहलुओं पर हुआ गहन मंथन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 16 अप्रैल। शासकीय महाविद्यालय बैढ़न के विज्ञान भवन में आयोजित जनगणना 2027 के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस दौरान जनगणना से जुड़े तकनीकी पहलुओं एवं डेटा संकलन की बारीकियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रमुख जनगणना अधिकारी नगरीय क्षेत्र

सविता प्रधान गौंड एवं नगर जनगणना अधिकारी ज्योति सिंह उपस्थित रहीं। इसके साथ ही जनगणना निर्देशालय भोपाल से सिंगरौली जनगणना अधिकारी हुसैन अली तथा चार्ज अधिकारी एचएम श्रीवास्तव एवं प्रवीण गोस्वामी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर प्रशिक्षण की प्रगति का अवलोकन किया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जनगणना प्रपत्रों को भरने की प्रक्रिया तथा डिजिटल डेटा एंट्री के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। नगर जनगणना अधिकारी ज्योति सिंह ने गुणवत्तापूर्ण एवं त्रुटिरहित डेटा संकलन के महत्व पर बल देते हुए प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया।

पुराने खटारा वाहन खुले आम मचा रहे धूम, प्रदूषण स्तर साल दर साल बढ़ा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 अप्रैल। शहर की हवा में अब प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। सड़कों पर पुराने वाहनों से निकलने वाले धुएं की न तो जांच हो रही है और न ही जिम्मेदार विभाग इसे लेकर कोई दिलचस्पी दिखा रहे हैं। खटारा सवारी वाहनों का धुआं हवा में घुलकर जानलेवा साबित हो रहा है।

शहर में इन मापदंडों को भरपूर ख्याल रखा जाना चाहिए। परिवहन, ट्रैफिक व पर्यावरण विभागों को इसकी समय-समय पर मॉनिटरिंग भी करनी चाहिए। उल्लेखनीय है पन्ना में 100 घन मीटर से अधिक माइक्रोग्राम प्रदूषण नहीं होना चाहिए, लेकिन हम इसके नजदीक पहुंचते जा रहे हैं। इसके लिए पुराने और कंडम वाहन भी जिम्मेदार हैं प्रदूषण के सूक्ष्म कण हवा में घुले हुए हैं। इससे साबित होता है कि धुएं से सेहत पर विपरीत असर पड़ रहा है। हैरत की बात यह है कि वाहनों से निकलने वाले प्रदूषण का ग्राफ कितना है और किन क्षेत्र में स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। जानकारों के मुताबिक वाहनों के जर्जर या पुराने हो रहे प्रदूषण की जांच का काम परिवहन विभाग की जवाबदारी है। वाहन प्रदूषण के लिए केंद्रीय पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय द्वारा तय मापदंड अनुरूप पेट्रोल चलित 2 व 3 पहिया वाहनों में धूम्र सांद्रता 4.5: और चारपहिया वाहनों के लिए धूम्र सांद्रता 3: होना चाहिए। वहीं डीजल चलित टेम्पो, जीप, कार, ट्रक, आदि के लिए 65: एचएसयू धूम्र सांद्रता होना चाहिए। ताकि वातावरण प्रदूषित न हो। बहरहाल यह वर्तमान में सिर्फ नए वाहनों में सही है।

पुराने डीजल वाहन अधिक घातक

एक्सपर्ट के मुताबिक करीब दस साल पुरानी कार 2-4 गुना अधिक धुआं उत्सर्जित करती है। पेट्रोल वाहनों से वायु प्रदूषण के रूप में कार्बन मोनो ऑक्साइड हाइड्रोकार्बन नाइट्रोजन के ऑक्साइड सल्फर डाय ऑक्साइड और डीजल वाहनों से नाइट्रोजन के ऑक्साइड धुआं सूक्ष्म कण एल्डिहाइड और गंधक का उत्सर्जन होता है। ये कण शरीर में जाने पर खतरनाक साबित होते हैं।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव की तैयारियां जोरों पर

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 अप्रैल। पन्ना में 20 अप्रैल 2026 को भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा जिसमें लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है विदित हो कि परशुराम भगवान विष्णु के छठे दशा अवतार के रूप में जाने जाते हैं।

भगवान परशुराम का जन्म वैशाख शुक्ल तृतीया को हुआ जो उनकी जन्म जयंती के रूप में मनाया जाता है उक्त जानकारी अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (स)के जिला अध्यक्ष पंडित राम गोपाल तिवारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई उन्हें बताया कि 20अप्रैल 2026 सुबह 8रू00 बजे से मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होगा एवं दोपहर 12रू00 बजे भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा इसके पश्चात हवन पूजन दोपहर 2 बजे तक प्रसाद वितरण होगा उसके पश्चात शाम 4.30 बजे से विशाल शोभा यात्रा श्री राम जानकी मंदिर से आयोजित की जाएगी जो शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए वापस कार्यक्रम स्थल में समाप्त होगी शोभा यात्रा के बाद प्रसाद का वितरण होगा भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव के एक दिन पूर्व 19 अप्रैल 2026 को नवयुवकों के द्वारा नगर में एक बाइक रैली 4.30 बजे निकाली जाएगी

अमानगंज में जाम से जनता परेशान अतिक्रमण हटाने की हुई मांग

नवभारत न्यूज

अमानगंज, 16 अप्रैल। नगर में बढ़ती यातायात अव्यवस्था अब आमजन के लिए बड़ी समस्या बन चुकी है। मुख्य मार्ग हो या पुरानी बस स्टैंड क्षेत्रकृहर जगह जाम की स्थिति बनी रहती है। हालत यह है कि लोगों को पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है, जबकि वाहन चालकों को रेंग-रेंग कर आगे बढ़ना पड़ रहा है।

नगर के मुख्य मार्ग पर रोजाना जाम लगना आम बात हो गई है। सड़क किनारे अतिक्रमण, बेतरतीब खड़े वाहन और ठेला-व्यवसायियों की वजह से रास्ते संकरे हो गए हैं। इससे राहगीरों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है और कई बार दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।

वहीं, पुरानी बस स्टैंड क्षेत्र की स्थिति और भी खराब है। यहां बसों, ऑटो और अन्य वाहनों की मनमानी पार्किंग के कारण सड़क पूरी तरह जाम हो जाती है। वाहन चालकों को लंबा इंतजार करना पड़ता है और कई बार घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ता है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी उदासीन बने हुए हैं। न तो अतिक्रमण हटाने की ठोस कार्रवाई की जा रही है और न ही यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कोई प्रभावी कदम उठाया जा रहा है।

जाम की समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित स्कूली बच्चे, मरीज और कामकाजी लोग हो रहे हैं। एंबुलेंस तक समय पर नहीं निकल पाती, जिससे गंभीर स्थिति पैदा हो जाती है।

नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि मुख्य मार्ग और पुरानी बस स्टैंड क्षेत्र में अतिक्रमण हटाया जाए, ताकि नगर को जाम की समस्या से राहत मिल सके।

पीएम पोषण शक्ति निर्माण में बर्तन खरीदी मे गोलमाल की चर्चा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 अप्रैल। पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत वर्तन रिप्लेसमेन्ट एवं नवीन वर्तन क्रय हेतु नवीन किचेन डिवाईस एवं वर्तमन क्रय हेतु राशि उपलब्ध करवाई गई थी। किन्तु यहां उस राशि का शत प्रतिशत उपयोग नहीं हो पाया।

निर्देश दिये गये थे कि राशि उपयोग करते हुये उपयोगिता प्रमाण प्रेषित किया जाय। किन्तु अभी तक न तो उपयोगिता प्रमाण पत्र जारी हो पाये और न ही वर्तनों की खरीदी ही हो पाई। उल्लेखनीय है कि वर्तन खरीदी में पूर्व में भी यहां गड़बड़ी की शिकायतें हुई थी। वही स्थिति इस बार भी दिखाई दे रही है।

वर्तन खरीदी में मनमानी के लग रहे आरोप:- बताया गया है कि वर्तन खरीदी के लिये दिशा निर्देश भी जारी किये गये हैं। पात्र एजेंसियों के माध्यम से खरीदी की जानी चाहिये। भण्डार क्रय नियमों का पालन करते हुये खरीदी की प्रक्रिया को अंजाम दिया जाना चाहिये। किन्तु यहां पर अभी तक इस मामले में कोई गतिविधि दिखाई नहीं दे रही है। इसलिये ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वर्तन खरीदी में फिक्सिंग का खेल चल रहा है। जो निकट भविष्य में खरीदी घोटाले के रूप में सामने आ सकता है। अभी तक इस मामले में कोई विज्ञापन भी प्रकाशित नहीं किया गया है। लिहाजा समझा जा सकता है कि अंदरखाने में गोलमाल चल रहा है।

स्कूलों में बच्चे घर से लेकर आते हैं वर्तन:- सच्चाई यह भी है कि स्कूलों में मध्यान्ह भोजन के लिये स्कूलों से वर्तन उपलब्ध नहीं करवाये जाते। बल्कि बच्चों को अपने घरों से वर्तन लेकर आना पड़ता है। वहीं दूसरी तरफ शासन द्वारा करोड़ो रूपये वर्तन खरीदी के लिये खर्च किये जाते हैं। किन्तु यहां जिन्हें खरीदी की जिमेदारी सौंपी जाती है उनके द्वारा ईमानदारी के राशि का न तो उपयोग किया जाता और न ही निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार खरीदी ही की जाती है।

पीएमश्री विधालय सलेहा का परिणाम घोषित

सलेहा 16 अप्रैल। पी एम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलेहा में कक्षा 10 वीं एवं कक्षा 12 वी के छात्रों का परिक्षा परिणाम अब्बल रहा। प्राचार्य हरिराम शर्मा द्वारा बताया गया की कक्षा 10 में अध्ययन अंजलि पिता रामकृष्ण चौरसिया 95.6:, प्रतिशत आसमीन बानो पिता ल्याकत हुसैन 90.2:, प्रतिशत ज्योति पिता शैलेंद्र जायसवाल 79 प्रतिशत इसी प्रकार कक्षा 12 में अध्यनरत अभिषेक चौरसिया पिता रामकृष्ण चौरसिया गणित संकाय 93.2:, प्रतिशत राशि द्विवेदी पिता नत्थू प्रसाद द्विवेदी 78.2: प्रतिशत कला संकाय, सतेन्द्र कोरी पिता चूरामन कोरी 78: प्रतिशत कला संकाय अंकों के साथ छात्र उत्तीर्ण हुए, विधालय में कक्षा 10 वीं का परिक्षा परिणाम एव 12 वी का परिक्षा परिणाम संतोष जनक रहा।

हीरा, पत्थर व कई रमणीक स्थल होने के बाद भी पन्ना का नहीं हुआ विकास

नवभारत न्यूज

पन्ना, 16 अप्रैल। न्ना में भगवान श्री जुगल किशोर जी, भगवान श्री रामजानकी जी, भगवान श्री बल्दाऊ जी, भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी जी, भगवान श्री गोविंद जी, मॉ पद्ह्मावती शक्तिपीठ से लेकर कई ऐसे आस्थामयी मंदिर, ऐतिहासिक व रमणीय स्थल है जहां दर्शन पाकर लोग धन्य हो जाते हैं। पन्ना नगर में ही नहीं जिले के कोने-कोने में कई ऐसे प्राकृतिक व मनोहारी स्थल हैं जिसकी छठारू देखते ही बनती है।

जड़ी -बूटियों व लकड़ी का अकूत भंडार

पन्ना जिले में ऐसे पर्यटन केन्द्र व ऐतिहासिक स्थल हैं जिनका मुकाबला आसपास के जिले या संपूर्ण मध्य प्रदेश में भी ढूढने पर नहीं मिलेंगे . जिले में प्राकृतिक छठा, अभिभूत होते हुए यहां के जंगलों में तमाम प्रकार की जड़ी बूटियां, वन औषधियां पाई जाती हैं तथा इमारती व जलाऊ लकड़ी के अपार भंडार हैं इन सभी स्थितियों के बाद भी यहां पर न तो कोई लकड़ी से संबंधित उद्योग धन्धा स्थापित हो पाया और न ही औषधियों से संबंधित कोई कारखाना। जिले के पढ़े लिखे बेरोजगार नवयुवक बबई, कलकत्ता, श्रीनगर, पंजाब काम की तलाश में चले जाते हैं, स्नातक एवं स्नातकोर डिग्री धारी अन्य दूसरे जिलो में मजदूरी कर अपना भरण पोषण करते हैं।

जैसे सांरगधर मंदिर, श्रेयांसगिरी, बृहस्पतिकुण्ड, नचने, अजयपाल का किला, सिद्धनाथ मंदिर सहित कई स्थल जो अपने-अपने नैसर्गिक रूप को आज भी लिए हुए हैं इसके बावजूद उनका उस तरह प्रचार प्रसार नहीं किया गया जिसके वह लायक है। जिले की तरक्की के लिए रेल का आना अति महत्वपूर्ण है लेकिन यह अभी तक नहीं आ पाई। इसका काम तो चल रहा है लेकिन वह धीमी गति से जिससे अभी इसमें काफी समय लग सकता है। निर्मित उक्त स्थितियों की बजह से पन्ना जिला पर्यटन की अपार संभावनाओं के बाद भी अभी पीछे है।

इस जिले को जो हक अभी तक मिल जाना चाहिए था वह अभी तक नहीं मिला। पन्ना जिले से सटे हुए अन्य जिले सतना, छतरपुर, टीकमगढ़, रीवा जहां प्रकृति ने उनके बढने के लिए कोई विशेष संभावनाएं नहीं दी इसके बावजूद इन जिलो की तरक्की दिन दूनी व रात चौगनी बढ़ रही है. शिक्षा की दृष्टि से भी पन्ना जिला पिछड़ा हुआ है। आज तक यहां कोई इंजीनियरिंग कॉलेज एवं अन्य बड़े शासकीय संस्थान जिससे लोगो की शिक्षा व रोजगार मिल सके. यहां स्वास्थ्य की दृष्टि से कोई भी अच्छा हास्पिटल नहीं है जिले की लगभग 11 लाख आबादी जिला चिकित्सालय पर निर्भर है।

प्राचीन व ऐतिहासिक स्थलों से भरा पड़ा है जिला

जिला मुख्यालय पन्ना से लगभग 17 कि.मी. की दूरी पर सारंग मंदिर के ऊपर जो पहाड़ी है उसे बंदरखोह के नाम से जाना जाता है, टीले नुमा व धनुषाकार इस पहाड़ी का हिन्दू वेद धर्म ग्रन्थों में उल्लेख है। सारंगधर आश्रम के ऊपर सीता रसोई व हनुमानधारा के ऊपर पहाड़ी में बड़ी-बड़ी प्राचीन गुफायें हैं, इन्हीं गुफाओं एवं कंदराओं को बंदरखोह कहा जाता है। प्राचीन किंबदंती के अनुसार उक्त गुफाओं में ऋषि मुनी व तपस्वी लोग तपस्या किया करते थे, जब भगवान राम अयोध्या से चित्रकूट होते हुए दक्षिण दिशा की ओर प्रस्थान किया तो बृहस्पतिकुण्ड के पूर्व घनघोर जंगल में विराध नामक राक्षस का बध किया था इसी विराध के नाम पर सतना ज़िले में बरौंधा नामक स्थान है जो वर्तमान समय पर थाना क्षेत्र भी है। किवदंती है कि विराध का बध करने के पश्चात्य बृहस्पति आश्रम उसके पश्चात्य बंदर खोह भगवान राम पहुंचे जहां पर खोह कंदराओं में तपस्या रत ऋषि-मुनियों ने भगवान के दर्शन लाभ लिये थे तथा सारंग आश्रम में भगवानपधारे बंदरखोह पहाड़ी के नीचे लक्ष्मण कुण्ड से जो प्राकृतिक जल निकलता है वह नीचे नाले का रूप लेता है तथा वही नाला आगें नदी का रूप धारण करता है जिसे बागें नदी के नाम से जानते हैं यह नदी बृहस्पति कुण्ड में गिरती है सेहा सालिकपुर क्षेत्र में उक्त नदी को बागें के अतिरिक्त रत्नगर्भा के नाम से भी जाना जाता है।